तथ्य पत्र *महिलाओं और उनके बच्चों के खिलाफ हिंसा को कम करने की राष्ट्रीय योजना 2010-2022* की चौथी कार्यवाही योजना (राष्ट्रीय योजना)

इस तथ्य पत्र में दी गई सूचना पढ़ने में आसान बनाने के लिए तैयार की गई है।

प्रस्तावना

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ की जाने वाली हर प्रकार की हिंसा अस्वीकार्य है, भले ही वह किसी भी समुदाय और किसी भी संस्कृति में हो। सरकार के सभी स्तरों, साथ ही व्यापारों, सेवा प्रदाताओं और समुदाय को हिंसा के शुरू होने से पहले इसे रोकने और जहाँ ज़रूरत हो, महिलाओं और बच्चों का समर्थन करने के लिए निरंतर कार्यवाही और निवेश करने की प्रतिबद्धता देनी चाहिए।

महिलाओं और उनके बच्चों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने की शुरूआत पुरूषों और महिलाओं के बीच समानता का प्रसार करने और सभी का सम्मान करने से होती है। महिलाओं और उनके बच्चों के खिलाफ हिंसा का कोई एक कारण नहीं है; परन्तु, लैंगिक असमानता इस प्रकार की हिंसा के होने का कारण बनती है। चौथी कार्यवाही योजना रोकथाम, प्रारम्भिक मध्यवर्तन और प्रतिक्रिया के माध्यम से इस समस्या पर ध्यान दिलाना जारी रखेगी, साथ ही इसमें हिंसा करने वालों के साथ काम करना शामिल है ताकि वे ऐसा करने बंद करें।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा की दरें बहुत चिंताजनक हैं। हर नौ दिन में एक महिला की मृत्यु उसके वर्तमान या भूतपूर्व पार्टनर द्वारा की जाती है[1]। 2016 व 2017 के बीच पूरे ऑस्ट्रेलिया में यौन हिंसा की दरों में आठ प्रतिशत वृद्धि हुई है[2]। जबरन विवाह और दहेज संबंधी दुर्व्यवहार जैसी जटिल हिंसा की समस्याओं का उभरना जारी है। ऐसे अनुभवों पर सांस्कृतिक विचारधाराओं व परंपराओं, किसी नए देश में आप्रवास और अवस्थापन और, कुछ संदर्भों में, धार्मिक और/या सांस्कृतिक मान्यताओं जैसे कारणों का प्रभाव पड़ सकता है। इन अपराधों पर ध्यान दिए जाने और इनका डटकर सामना किए जाने की ज़रूरत है।

राष्ट्रीय योजना और चौथी कार्यवाही योजना का विकास

राष्ट्रीय योजना 2011 में जारी की गई थी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक वर्ष, कम से कम महिलाएँ हिंसा का अनुभव करें और अधिक से अधिक महिलाएँ और उनके बच्चे सुरक्षित रूप से जीवन व्यतीय करें। राष्ट्रीय

[1] Australian Institute of Health and Welfare (AIHW), *Family, domestic and sexual violence in Australia: continuing the national story* 2019 (Canberra, ACT: AIHW, 2019), https://www.aihw.gov.au/reports/domestic-violence/family-domestic-sexual-violence-australia-2019/report-editions.

[2] Australian Bureau of Statistics (ABS), *Recorded Crime – Victims, Australia, 2017* (Canberra, ACT: ABS, 2018), https://www.abs.gov.au/ausstats/abs@.nsf/Lookup/by%20Subject/4510.0~2017~Media%20Release~Recording%20of%20sexual%20assaults%20reaches%20eight-year%20high%20(Media%20Release)~16.

योजना सभी ऑस्ट्रेलियाई और राज्य एवं टेरेटरी सरकारों, सामुदायिक संस्थाओं और व्यक्ति-विशेषों द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्य को जोड़ती है। यह इस बात की पहचान करती है कि महिलाओं और उनके बच्चों के खिलास हिंसा एक जटिल समस्या है जिसके लिए लंबी अवधि की कार्यवाही योजना की ज़रूरत है। इस कारणवश, राष्ट्रीय योजना को चार कार्यवाही योजनाओं के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है जो एक दूसरे पर निर्भर हैं, और प्रत्येक कार्यवाही योजना को हर तीन वर्ष बाद जारी किया जाता है। यह दस्तावेज़ चौथी कार्यवाही योजना, इस श्रेणी में अंतिम कार्यवाही योजना के मुख्य पहलुओं को दर्शाती है।

चौथी कार्यवाही योजना विकसित करने के लिए, ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने हिंसा से प्रभावित सैंकड़ों लोगों और इसे रोकने के लिए काम करने वाले लोगों के साथ व्यापक तौर पर विचार-विमर्श किया। 2018 में, 600 से अधिक व्यक्तियों और 400 से अधिक संस्थाओं के साथ 30 परामर्श किए गए। इनमें शामिल हैं: वे लोग जो पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा का अनुभव करने वाली महिलाओं के साथ काम कर रहे हैं; आम जनता; अनुसंधानकर्ता; और स्वास्थ्य, न्याय और व्यापारिक संस्थाओं में काम करने वाले लोग। इन परामर्शों के परिणामों से चौथी कार्यवाही योजना विकसित हुई।

चौथी कार्यवाही योजना

चौथी कार्यवाही योजना के आठ मुख्य सिद्धांत हैं। ये सिद्धांत चौथी कार्यवाही योजना की सभी गतिविधियों पर लागू होते हैं और पांच राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को समर्थन देते हैं और सूचित करते हैं। पांच राष्ट्रीय प्राथमिकताएँ सरकार के लिए उन क्षेत्रों को विशिष्ट तौर पर दर्शाते हैं जिनपर ध्यान दिया जाना चाहिए। प्राथमिकताएँ ये दर्शाती हैं कि हमने परामर्शों में क्या विचार सुने और प्रमाण के अनुसार क्या असरदार होता है।

पहली राष्ट्रीय प्राथमिकता प्राथमिक रोकथाम अहम है

रोकथाम करना महिलाओं और उनके बच्चों के खिलाफ हिंसा को मिटाने का सबसे प्रभावी तरीका है और यह चौथी कार्यवाही योजना का अहम अंग है। प्राथमिक रोकथाम का अर्थ है कि हिंसा होने से पहले इसे रोकना। इसका अर्थ है प्रवृत्ति, व्यवहार और उन स्वीकृत मानकों को बदलना जो महिलाओं और उनके बच्चों के खिलाफ हिंसा करने के लिए बहाना बनाते हैं, इसे उचित सिद्ध करते हैं या यहाँ तक कि इसे बढ़ावा भी देते हैं। प्राथमिक रोकथाम की गतिविधियाँ पूरे समुदाय के लिए हैं, न कि केवल हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए।

दूसरी राष्ट्रीय प्राथमिकता: एबोरिजनल और टोरस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं और उनके बच्चों का समर्थन करना

एबोरिजनल और टोरस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं, बच्चों और समुदायों द्वारा हिंसा की अनुपातहीन उच्च दरों का अनुभव किया जाना जारी है[3]।

हमें यह बात स्पष्ट करनी होगी कि पारिवारिक हिंसा ऑस्ट्रेलिया संस्कृति, या एबोरिजनल और टोरस स्ट्रेट द्वीपवासी संस्कृति का भाग नहीं है। संस्कृति और परिवार केन्द्रीय मुख्य सुरक्षा कारक होते हैं जो देशी परिवारों को हिंसा मुक्त होने में समर्थन करते हैं। एबोरिजनल और टोरस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं का ऐसे विकल्प लेने में समर्थन किया जाना चाहिए जो सदमे और हिंसा के उनके चक्र को तोड़ने की स्थिति में उनकी अपनी और उनके परिवार के लंबी अवधि की सुरक्षा का संरक्षण और इसका प्रसार करते हैं। चौथी कार्यवाही योजना यह पहचान करती है कि पारिवारिक हिंसा की रोकथाम करना और इसपर प्रतिक्रिया करना व्यक्ति-विशेष, पारिवारिक और सामुदायिक क्षमताओं की पहचान करने से शुरू होती है।

हिंसा पर ध्यान देने के समाधानों में एबोरिजनल और टोरस स्ट्रेट द्वीपवासी महिलाओं को फैसला लेने की प्रक्रियाओं में प्रभावी रूप से शामिल करना और इसके लिए सशक्त करना शामिल है। सेवा प्रदाताओं और सरकारों को एबोरिजन और टोरस स्ट्रेट द्वीपवासी लोगों और समुदाय-नियंत्रित संस्थाओं के साथ काम करना चाहिए ताकि ऐसे समाधान तैयार किए जा सकें जो सांस्कृतिक तौर पर उचित हों, सदमे की स्थिति को ध्यान में रखते हों और समग्र हों तथा परिवारों व समुदायों के लिए स्वास्थ्यप्रद हों।

तीसरी राष्ट्रीय प्राथमिकता: हिंसा से प्रभावित महिलाओं और उनके बच्चों के जीवन में सामना किए गए विविध अनुभव और ज्ञान का सम्मान करना, इसे सुनना और इसपर प्रतिक्रिया करना

महिला चाहे किसी भी पृष्ठभूमि से सम्बन्धित हो, वह घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा का अनुभव कर सकती है। हर महिला के अनुभव अलग-अलग होते हैं। पीड़ितों और उत्तरजीवियों के अनुभव हमें यह समझने में सहायता देते हैं कि कौन सी बात उनके लिए असरदार रहती है। सहायता सेवाओं के लिए यह आवश्यक है कि वे:

- पीड़ितों और उत्तरजीवियों की ज़रूरतों और मतों को प्राथमिकता दें
- किन्हीं पीड़ितों और उत्तरजीवियों के खिलाफ भेदभाव करने से बचें

[3] Our Watch, *Changing the Picture: A National Resource to Support the Prevention of Violence against Aboriginal and Torres Strait Islander Women and their Children* (Melbourne, VIC: Our Watch, 2018), https://www.ourwatch.org.au/getmedia/ab55d7a6-8c07-45ac-a80f-dbb9e593cbf6/Changing-the-picture-AA-3.pdf.aspx.

- सदमे के अलग-अलग अनुभव की समझ को दर्शाएँ
- अलग-अलग संस्कृतियों की ज़रूरतों और अनुभवों पर ध्यान दें
- जाति, लैंगिकता, लिंग और विकलाँगता पर ध्यान दें
- सामाजिक भेदभाव और अहित के अन्य प्रकारों के साथ महिलाओं व पुरूषों के बीच असमानता पर ग़ौर करें।

सामाजिक भेदभाव और अहित के अन्य प्रकारों के साथ महिलाओं व पुरूषों के बीच असमानता पर ग़ौर करना महत्वपूर्ण होता है। जाति, लैंगिकता, लिंग और विकलाँगता, साथ ही पहचान के अन्य प्रकार, महिला द्वारा हिंसा का अनुभव किए जाने के तरीके को प्रभावित कर सकते हैं।

चौथी राष्ट्रीय प्राथमिकता: यौन हिंसा और यौन उत्पीड़न पर प्रतिक्रिया करें

यौन हिंसा घरेलू और पारिवाहिक हिंसा तथा स्टैंडअलोन अपराध का प्रकार हो सकती है। घरेलू और पारिवाहिक हिंसा के समान ही, पुरूषों से अधिक महिलाएँ यौन उत्पीड़न और यौन प्रहार का अनुभव करती हैं[4]।

विधान में हाल ही में किए बदलावों के बावजूद, फिर भी ऐसी कई बाधाएँ हैं जो महिलाओं के लिए सूचना देने और सेवाओं तक पहुँच प्राप्त करना कठिन बनाती हैं। इसमें महिलाओं पर विश्वास न किया जाना और इसके परिणामस्वरूप आपराधिक न्याय प्रणाली पर भरोसा न करना शामिल है।

चौथी कार्यवाही योजना विशिष्ट तौर पर प्राथमिक रोकथाम के माध्यम से यौन हिंसा पर ध्यान देती है। इसमें लैंगिक समानता, सहमति और स्वस्थ यौन संबंधों जैसे मुद्दों के प्रति जागरूकता और समझ पैदा करना शामिल है, विशेषकर युवाओं के लिए। इसका उद्देश्य लोगों द्वारा पीड़ितों पर दोष लगाने से रोकना भी है। इसपर दिया जाने वाला यह ध्यान घर, कार्यस्थल, सार्वजनिक स्थानों और ऑनलाइन यौन उत्पीड़न को कम करने में भी योगदान देगा।

पांचवी राष्ट्रीय प्राथमिकता: समर्थन और सेवा प्रणाली प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाना

सभी सरकारें सेवा प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए कड़ा परिश्रम करना जारी रखती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाओं और उनके बच्चों के पास ज़रूरत पड़ने पर सहायता तक पहुँच उपलब्ध है। इसमें यह शामिल है कि हिंसा की पहचान कैसे की जाती है और इसकी सूचना कैसे दी जाती है, और समर्थन प्राप्त करने से संबंधित कलंक को कम करना।

सेवा प्रणालियों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि:

[4] ABS, 2016 *Personal Safety Survey.*

- महिलाओं और उनके बच्चों पर हिंसा के प्रभाव को कम किया जा सके
- उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके
- अपराधियों को हिंसा का प्रयोग करने से रोका जा सके।

प्रारम्भिक चेतावनी संकेतों की पहचान करना और इनपर प्रतिक्रिया करना अहम है। प्रारम्भिक मध्यवर्तन से:

- महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को बढ़ने से रोकना
- पीड़ितों को तात्कालिक नुकसान से सुरक्षित करना
- हिंसा को बढ़ने से रोकना।

चौथी कार्यवाही योजना को लागू करना

आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलियाई और राज्य एवं टेरेटरी की सरकारें एक राष्ट्रीय कार्यांवयन योजना तैयार करेंगी। योजना उन नीतियों और कार्यक्रमों को दर्शाएगी जिन्हें सभी सरकारें लागू करेंगे ताकि महिलाओं व उनके बच्चों के खिलाफ हिंसा को कम करने के लिए चौथी कार्यवाही योजना की प्राथमिकताओं पर ध्यान दिलाया जा सके। कार्यान्वयन योजना यह भी दर्शाएगी कि प्रदर्शन पर नज़र कैसे रखी जाएगी और इसे चौथी कार्यवाही योजना के जीवनकाल के दौरान कैसे मापा जाएगा।

राष्ट्रीय योजना के बारे में और अधिक जानकारी के लिए:

- www.plan4womenssafety.dss.gov.au देखें
- www.dss.gov.au पर पूरी राष्ट्रीय योजना पढ़ें

समर्थन के लिए:

यदि आप या आपका कोई जानकार हिंसा का अनुभव कर रहा है तो सहायता उपलब्ध है। एमर्जेंसी की (आपातिक) स्थिति में 000 पर फोन करें।

सूचना, समर्थन और सलाह के लिए 1800RESPECT से 1800 737 732 पर संपर्क करें या वेबसाइट www.1800respect.org.au देखें। यह सेवा नि:शुल्क, गोपनीय और दिन में 24 घंटे खुली है।